

SYLLABUS FOR 2014-15

एम.ए. पूर्वाह्न-राजनीति विज्ञान प्रथम सेमेस्टर में निम्नांकित 04 प्रश्न पत्र होंगे :-

- 1 राजनीतिक चिंतन
- 2 भारतीय शासन व राजनीति
- 3 तुलनात्मक राजनीति
- 4 अन्तर्राष्ट्रीय संगठन

I st sem

एम.ए. पूर्वाह्न-राजनीति विज्ञान द्वितीय सेमेस्टर में निम्नांकित 04 प्रश्न पत्र होंगे :-

- 1 पारम्परिक राजनीतिक चिंतन
- 2 भारतीय शासन में राज्यों की राजनीति
- 3 विकासशील देशों की राजनीति, तुलनात्मक राजनीति
- 4 अन्तर्राष्ट्रीय कानून

II nd sem

एम.ए. उत्तराह्न-राजनीति विज्ञान तृतीय सेमेस्टर में निम्नांकित 04 प्रश्न पत्र होंगे :-

- 1 अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांत
- 2 लोकप्रशासन
- 3 शोध प्रविधि
- 4 प्रमुख शक्तियों की विदेश नीति एवं भारतीय विदेश नीति

III rd sem

एम.ए. उत्तराह्न-राजनीति विज्ञान चतुर्थ सेमेस्टर में निम्नांकित विषय होंगे :-

- 1 अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांत
- 2 लोकप्रशासन
- 3 शोध प्रविधि
- 4 प्रमुख शक्तियों की विदेश नीति एवं भारतीय विदेश नीति

IV th sem

नियमावली -

- 1 उपर्युक्त सामस्त प्रश्नपत्र अनिवार्य होंगे।
- 2 प्रत्येक प्रश्नपत्र में (सभी सेमेस्टर में) सैद्धांतिक प्रश्नपत्र 80 अंक का होगा तथा 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन के होंगे।

एम.ए. राजनीति विज्ञान

- 3 आंशिक मूल्यांकन की कम से कम दो परीक्षाएँ होगी जिसमें से एक आंतरिक मूल्यांकन के सर्वोच्च अंक विश्वविद्यालय को देने जावें।
  - 4 एम.ए. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर के पूर्णांक 400 अंको का होगा और चतुर्थ सेमेस्टर का पूर्णांक 500 अंको का होगा।
  - 5 एम.ए. चतुर्थ में 100 अंकों की मौखिक परीक्षा होगी, जिसमें 50 अंक मौखिक परीक्षा एवं 50 अंक का प्रैक्टिकल कार्य होगा।
  - 6 इस प्रकार एम.ए. राजनीति विज्ञान (सेमेस्टर प्रणाली में) पूर्णांक 1700 का होगा।
  - 7 संपूर्ण पाठ्यक्रम 04-04 इकाईयों में विभक्त होंगे।
- अमहाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं के लिए एम.ए. राजनीति विज्ञान में निम्नलिखित प्रश्नपत्र का निर्धारण किया जाता है -
- एम.ए. पूर्वाहर्ष - राजनीति विज्ञान (अमहाविद्यालयीन) के विषय -
- 1 राजनीतिक चिंतन
  - 2 भारतीय शासन एवं राजनीति
  - 3 तुलनात्मक राजनीति
  - 4 अंतर्राष्ट्रीय संगठन एवं क्रान्ति
- एम.ए. उत्तराहर्ष - राजनीति विज्ञान (अमहाविद्यालयीन) के विषय -
- 1 अंतर्राष्ट्रीय राजनीति
  - 2 लोक प्रशासन
  - 3 शोध प्रविष्टि
  - 4 प्रमुख शक्तियों की विदेश नीति एवं भारतीय विदेश नीति
  - 5 अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में तृतीय विश्व व मानवाधिकार
- नियमावली -
- 1 एम.ए. पूर्वाहर्ष में 04 प्रश्नपत्र अनिवार्य होंगे।
  - 2 एम.ए. पूर्वाहर्ष में पूर्णांक 400 अंको का होगा।
  - 3 एम.ए. उत्तराहर्ष में कुल 05 प्रश्नपत्र अनिवार्य होंगे।
  - 4 एम.ए. उत्तराहर्ष में पूर्णांक 500 अंको का होगा।
  - 5 इस प्रकार एम.ए. राजनीति विज्ञान (अमहाविद्यालयीन) में पूर्णांक 900 अंको का होगा।
  - 6 संपूर्ण पाठ्यक्रम 05-05 इकाईयों में विभक्त होगा।

एम.ए. राजनीति विज्ञान

4

## एम.ए. पूर्वाहर्ष-राजनीति विज्ञान प्रथम सेमेस्टर

### 1 राजनीतिक चिंतन :-

- इकाई 1 - मनु, कौटिल्य, गांधी एवं अम्बेडकर।
- इकाई 2 - लोटे, अरस्तु, मैकियावेली।
- इकाई 3 - हॉब्स, लॉक एवं रूसो।
- इकाई 4 - बेल्जम, जे.एस.मिल।

### 2 भारतीय शासन व राजनीति :-

- इकाई 1 - सविधान सभा की पृष्ठभूमि-संगठन (सरचना) एवं कार्यप्रणाली। वैचारिक प्रस्तावना। आधार
- इकाई 2 - मौलिक अधिकार मौलिक कर्तव्य एवं राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत। संशोधन प्रक्रिया।
- इकाई 3 - संघीय सरकार-राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्रीपरिषद।
- इकाई 4 - सर्वोच्च न्यायालय एवं न्यायिक पुनरीक्षण, न्यायिक सक्रियतावाद। दल पद्धति की प्रकृति-राष्ट्रपति एवं क्षेत्रीय दल दबाव समूह।

### 3 तुलनात्मक राजनीति :-

- इकाई 1 - राजनीति व्यवस्था के अध्ययन में तुलनात्मक पद्धति। तुलनात्मक राजनीति का अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र।
- इकाई 2 - राजनीतिक व्यवस्था की अवधारणा।
- इकाई 3 - तुलनात्मक राजनीति के अध्ययन के विविध उपगम-परम्परागत, मार्क्सवादी, निवेश-निर्गत, संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक।
- इकाई 4 - राजनीतिक संस्कृति एवं राजनीतिक समाजीकरण। राजनीतिक संघार।

एम.ए. राजनीति विज्ञान

5

#### 4 अन्तर्राष्ट्रीय संगठन :-

- इकाई 1 - अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों की प्रकृति एवं विकास। अन्तर्राष्ट्रीय संगठन-राष्ट्र-राज्य एवं अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था का समन्वय।
- इकाई 2 - राष्ट्रसंघ (लीग ऑफ नेशन्स)-उत्पत्ति, संरचना, कार्य एवं असफलता।
- इकाई 3 - संयुक्त राष्ट्र-संरचना एवं कार्य। विवादों का शांतिपूर्ण समाधान एवं बाध्यकारी उपाय। अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय। आर्थिक एवं सामाजिक विकास में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका।
- इकाई 4 - उत्तर शीत युद्ध काल और संयुक्त राष्ट्र। अन्तर्राष्ट्रीय कानून-प्रकृति, क्षेत्र, विकास, स्त्रोत एवं सहिताकरण। राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय कानून।

#### एम.ए. पूर्वाह्न-राजनीति विज्ञान द्वितीय सेमेस्टर

#### 1 पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन :-

- इकाई 1 - मार्क्स, लासकी।
- इकाई 2 - बहुतावाद, हीगल, ग्रीन।
- इकाई 3 - परम्परागत, राजनीतिक सिद्धांत एवं आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत की विशेषताएं।
- इकाई 4 - व्यवहारिकवाद एवं उत्तर व्यवहारिकवाद।

#### 2 भारतीय शासन में राज्यों की राजनीति :-

- इकाई 1 - निर्वाचन आयोग। संघ लोक सेवा आयोग।
- इकाई 2 - संघवाद तथा केन्द्र राज्य संबंध राज्यपाल। मुख्यमंत्री एवं मंत्रीमंडल। विधान मण्डल। राष्ट्रीय राजनीति का राज्य राजनीति पर प्रभाव।
- इकाई 3 - राज्यों की स्वायत्ता की मांग। गठबंधन की राजनीति।
- इकाई 4 - दलबदल की राजनीति भारतीय राजनीति में जाति, धर्म, क्षेत्र, भाषा का प्रभाव।

#### 3 विकासशील देशों की राजनीति, तुलनात्मक राजनीति :-

- इकाई 1 - राजनीतिक विकास। राजनीतिक अभिजन। सरकार का वर्गीकरण एकलक्षक व संघात्मक, संसदीय व अध्यक्षत्मक।
- इकाई 2 - नौकरशाही-संरचना, कार्य व भूमिका। राजनीतिक दल, दबाव समूह।
- इकाई 3 - राजनीतिक संस्थाएं-व्यवस्थापिका-संरचना, कार्य व भूमिका। कार्यपालिका संरचना, कार्य व भूमिका।
- इकाई 4 - न्यायपालिका-न्यायिक पुनरीक्षण। शक्ति पृथक्करण अवरोध एवं संतुलन।

#### 4 अन्तर्राष्ट्रीय कानून :-

- इकाई 1 - अन्तर्राष्ट्रीय कानून एवं राज्य उत्तराधिकार एवं मान्यता। राज्यों के अधिकार एवं कर्तव्य। क्षेत्राधिकार। समानता एवं आत्मरक्षा। समुद्री कानून।
- इकाई 2 - युद्ध परिभाषा प्रकृति लक्षण, घोषणा, प्रभाव। स्थल युद्ध, समुद्री युद्ध एवं वायु युद्ध के नियम। आणविक युद्ध। अधिग्रहण न्यायालय, युद्ध की समाप्ति, शांति संधि तथा पूर्ववस्था। युद्ध अपराध, युद्धावंदी एवं दण्ड।
- इकाई 3 - तटस्था-परिभाषा, प्रकार, लक्षण, तटस्थ। राज्यों के अधिकार एवं कर्तव्य। नौजित माल। न्यायालय, नाकाबंदी। अन्तर्राष्ट्रीय सधि-दायित्व। राजनीतिक अनुचितताएं एवं विशेषाधिकार।
- इकाई 4 - अन्तर्राष्ट्रीय कानून एवं आर्थिक विकास-तृतीय विश्व के संदर्भ में। मानवता के विरुद्ध अपराध एवं अन्तर्राष्ट्रीय कानून के प्रावधान। अन्तर्राष्ट्रीय कानून की सीमाएं एवं सम्भावनायें।

## एम.ए. उत्तरार्ध-राजनीति विज्ञान तृतीय सेमेस्टर

### 1 अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांत :-

- इकाई 1 - अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति का विषय के रूप में विकास-प्रकृति एवं क्षेत्र। अध्ययन पद्धति-परम्परागत एवं वैज्ञानिक।
- इकाई 2 - अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांत-(वृहत्) यथार्थवाद, आदर्शवाद, साम्प्रदायशा, निर्णय, निर्माण, खेल, संचार, व्यवस्था सिद्धांत।
- इकाई 3 - शक्ति संकल्पना-तत्त्व एवं सीमाएँ। शक्ति प्रबंधन-शक्ति संगुलन। सामूहिक सुरक्षा। अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में राष्ट्रीय हित।
- इकाई 4 - निःशस्त्रीकरण। परमाणु अप्रसार-सीटीसीटी, एनपीटी। क्षेत्रवाद, क्षेत्रीय संगठन। साम्राज्यवाद, नवसाम्राज्यवाद।

### 2 लोकप्रशासन :-

- इकाई 1 - लोकप्रशासन: परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र, निजी प्रशासन से अंतर। अध्ययन के उपभाग-व्यावहारिकवादी, तुलनात्मक, निर्णयपरक विकास-प्रशासन एवं नवीन प्रशासन। संगठन के सिद्धांत: नियंत्रण का क्षेत्र, पदसोपान, प्रत्यायोजन, समन्वय।
- इकाई 2 - केन्द्रीयकरण, विकेन्द्रीयकरण, मुख्य कार्यपालिका-प्रकार एवं भूमिका, सूत्र एवं स्टैंडक
- इकाई 3 - अभिकरण, विभागीय संगठन, स्वतंत्र नियामकीय आयोग।
- इकाई 4 - लोक निगम। भर्ती, पदोन्नति, प्रशिक्षण, सेवानिवृत्ति, संघ लोक सेवा आयोग, नौकरशाही।

### 3 शोध प्रविधि :-

- इकाई 1 - सामाजिक अनुसंधान : अर्थ एवं प्रकृति, वैज्ञानिक पद्धति।
- इकाई 2 - वैज्ञानिक पद्धति एवं सामाजिक विज्ञानों के उपयुक्तता, सामाजिक विज्ञान में अध्ययन की कठिनाईयाँ, शोध के कारण।
- इकाई 3 - सामाजिक सर्वेक्षण : उद्देश्य, महत्व, प्रक्रिया, व्यक्तिगत अध्ययन पद्धति, अनुसंधान, अभिकल्प, उपकरणना, तत्वों के प्राथमिक एवं द्वितीयक स्त्रोत।

इकाई 4 - अवलोकन पद्धति, साक्षात्कार पद्धति।

### 4 प्रमुख शक्तियों की विदेश नीति एवं भारतीय विदेश नीति :-

- इकाई 1 - विदेश नीति-अर्थ एवं निर्धारक तत्व। विदेश नीति के अध्ययन के उपभाग।
- इकाई 2 - अमेरिका की विदेश नीति।
- इकाई 3 - ब्रिटेन एवं फ्रांस की विदेश नीति। सोवियत संघ/रूस की विदेश नीति चीन की विदेश नीति।
- इकाई 4 - जर्मनी एवं जापान की विदेश नीति।

### एम.ए. उत्तरार्ध-राजनीति विज्ञान चतुर्थ सेमेस्टर

### 1 अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांत (समकालीन मुद्दे)

- इकाई 1 - अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में असंतनता-आधार, भूमिका, महत्व एवं प्रासंगिकता।
- इकाई 2 - शीतयुद्ध एवं शीतयुद्ध की समाप्ति-कारण एवं परिणाम। नई विश्व व्यवस्था।
- इकाई 3 - उत्तर शीतयुद्ध कालीन महत्वपूर्ण मुद्दे-वैश्वीकरण, मानवाधिकार, पर्यावरण, आतंकवाद।
- इकाई 4 - प्रमुख राष्ट्रों की विदेश नीतियाँ-भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, रूस।

### 2 लोकप्रशासन के (स्थानीय स्वायत्त शासन) :-

- इकाई 1 - कर्मियों की समस्याओं के निवारण की व्यवस्था (भारतीय प्रशासन के विशेष संदर्भ में)।
- इकाई 2 - वित्तीय प्रशासन : अर्थ, प्रकृति, विशेषताएं। बजट-सिद्धांत एवं महत्व, भारत में बजट निर्माण प्रक्रिया, कार्यपालिका, व्यवस्थापिका, न्यायपालिका एवं जनसमूह का प्रशासन पर नियंत्रण।

इकाई 3 - प्रशासकीय उत्तरदायित्व : लोक प्रशासन पार विधायी नियंत्रण, न्यायिक नियंत्रण तथा निष्पादकीय नियंत्रण।

इकाई 4 - लोक प्रशासन में भ्रष्टाचार आगुद्सन, लोकपाल, लोकायुक्त एवं लोक संघर्ष। स्थानीय स्वायत्तशासीय संस्थाओं की भूमिका भ्रष्टाचार एवं लो संघर्ष।

### 3 शोध प्रविधि :-

इकाई 1 - प्रस्तावनी एवं अनुसूची प्रस्तावनी के प्रकार, गुण-दोष, सीमाएं।

इकाई 2 - निर्देश एवं प्रकार सारणीयन, प्रतिवेदन लेखन, अनुमानन, प्रविधियां अनुसंधान दत्त, अनुसंधान की सामग्रां, प्रक्षेपी प्रविधियां।

इकाई 3 - राजनीति विज्ञान में सांख्यिकी की उपयोगिता एवं सीमाएं, भौत, मोड, भीडियन।

इकाई 4 - कम्प्यूटर का उपयोग एवं संकेतना।

### 4 प्रमुख शक्तियों की विदेश नीति एवं भारतीय विदेश नीति :-

इकाई 1 - भारतीय विदेश नीति- सिद्धांत एवं उद्देश्य। भारत की विदेश नीति के आंतरिक निर्धारक-भूगोल, इतिहास, संस्कृति, सामाजिक-आर्थिक एवं राजनीतिक व्यवस्था।

इकाई 2 - बाह्य निर्धारक-शैशिक, क्षेत्रीय एवं द्विपक्षीय। विदेश नीति निर्माण प्रक्रिया की संरचना। भारतीय विदेश नीति में नैरन्तर्य एवं परिवर्तन।

इकाई 3 - भारतीय विदेश नीति-तुलनात्मक परिश्लेष्य में। पड़ोसी देशों के प्रति भारतीय नीति। प्रमुख शैशिक मुद्दों के प्रति भारतीय दृष्टिकोण-शैशिकरण।

इकाई 4 - निःशस्त्रीकरण एवं शस्त्र नियंत्रण, सीमा पार आतंकवाद, पर्यावरण एवं मानव अधिकारों का प्रश्न।